

चाँद का नृत्य (रक्त बंधन किताब एक)

रक्त बंधन श्रृंखला किताब 1



हिंदी अनुवाद

AMY BLANKENSHIP, RK MELTON
एमी ब्लंकेनशिप, आरके मेलटन



Table of Contents

आमुख
अध्याय 1
अध्याय 2
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13

चाँद का नृत्य (रक्त बंधन किताब एक)
रक्त बंधन श्रंखला किताब 1

एमी ब्लंकेनशिप, आरके मेलटन
अनुवादक: मुमताज नाज़ा

कॉपीराइट © 2021 एमी ब्लंकेनशिप
द्वितीय संस्करण टेकटाइम द्वारा प्रकाशित
सर्वाधिकार सुरक्षित

आमुख

एंजलेस अभयारण्य खतरनाक कूगरों और आयातित जगुआरों का घर है, जो वन के विस्तार में विचरण किया करते हैं। कभी-कभी कुछ विशेष रातों में उनकी संख्या ज़रा बढ़ जाती है, क्योंकि एलए के इच्छाधारी जानवर, या बदलने वाले, जैसा लोक-कथाओं में बताया जाता है, जंगली ज़मीन पर अपने दूर के रिश्ते के भाइयों के साथ विचरण करते हैं। यह वे रातें होती हैं, जब असली जानवर अपनी गुफाओं में दुबक जाते हैं, क्योंकि शहर के शिकारी शिकार के लिए उनके क्षेत्र में लंबे समय के लिए घुसपैठ करते हैं या किसी किसी अवसर पर अपनी उन लड़ाइयों का निपटारा करते हैं, जिनका निपटारा इंसानी इलाकों में नहीं हो सकता।

जब ये इच्छाधारी लड़ते हैं और यदि उनमें से कोई घायल हो जाए, तो वे इन्सानों के लिए भी उतने ही खतरनाक हो जाते हैं, जितने कि उनके जानवर प्रतिरूप और इससे बुरा कुछ नहीं होता। उन इन्सानों से बचने के लिए, जिनके बीच ये रहते हैं, इच्छाधारी जब भी संभव होता है, अपने विवादों को उन इन्सानों की सीमा से बाहर तय करते हैं, और इसके लिए बेहतरीन जगह उनके जन्मजात शिकारी जंगलों की सुदूर गहराई में होती है।

आज जंगल भयानक रूप से खामोश था, क्योंकि शहर के केंद्र के सबसे बड़े क्लब के दो मालिक अपने अंदर के जानवर को खुला छोड़ने के लिए अपने बदन के कपड़ों की चिंदी-चिंदी करते हुए जंगली धरती में प्रवेश कर रहे थे। आज की रात वे एक पिशाच की क़ब्र की तलाश कर रहे थे, जो उन दोनों को तबाह कर सकता था।

जंगलों की गहराई में जहां कोई इंसान उन्हें सुन नहीं सकता था, मलाची, एक छोटे जगुआर कुल का मुखिया, अंधेरे में अपने दुश्मन की ओर भागा.... एक आदमी, जिस पर उसे अपने पक्के दोस्त से बढ़ कर भरोसा नहीं करना चाहिए था। उसका शिकार भी एक इच्छाधारी था, इसकी रगों में एक कूगर का खून दौड़ रहा था। मलाची नथनियल की तलाश में मैदान में घुस गया, जहां वह उसके इंतज़ार में इंसानी रूप में खड़ा था। चंद्र कदम आगे चलने के बाद, अपने एक रूप से दूसरे में बदलते हुए, मलाची अपने इंसानी रूप में आ गया। चाहे वे किसी भी रूप में होते, लेकिन वे दोनों काफी घातक थे। इंसानी रूप में वे दोनों ही बलिष्ठ थे, और नर्म त्वचा के नीचे उनकी कसी हुई मांसपेशियाँ फौलादी थीं। इच्छाधारी जल्दी बूढ़े नहीं होते थे और दोनों ही आदमी मुश्किल से 30 के लगते थे, हालांकि वे दोनों ही अपने पचासवें वर्ष में थे।

अगर यह कोई हॉलीवुड की मूवी होती तो इसे मोटे तौर पर बदलने में कुछ मिनट लगते, लेकिन यह वास्तविकता थी, और इस मैदान में कोई लार टपकाते हुए राक्षस नहीं थे। एक इच्छाधारी के लिए नग्नता कोई बड़ी बात नहीं थी, और उन के सर के ऊपर छाए हुए तूफानी बादलों में पड़ी एक दरार से छन कर चाँदनी उन पर किसी स्पॉट लाइट की तरह पड़ रही थी।

"इस पर बात करने की ज़रूरत नहीं है," अपने दोस्त के सामने अपना पक्ष रखते हुए नथानियल ने कारण स्पष्ट करने का प्रयास किया। "मेरी बात सुनो! यह तीस साल पहले की बात है और अब चीज़ें बदल गई हैं.....मैं बदल गया हूँ।"

"तीस सालों के झूठ की कीमत!" मलाची गरजा, उसकी आवाज़ मैदान में गूँज रही थी। उसकी नज़रें उस स्थान की खोज कर रही थीं, जहां उसने केन को दफनाया था और उसने अपनी आँखों में नमी की चुभन महसूस की। "तुम्हारे कारण, मैं ने केन को खाक में मिला दिया था.....तुम्हारे कारण मैं ने उसे तीस सालों तक छोड़ दिया था।"

"मैं तुम्हें उसे क़ब्र से निकालने नहीं दूंगा, मलाची! तुम जानते हो कि अगर तुमने ऐसा किया तो उसका क्या परिणाम निकलेगा," नथानियल ने घबराते हुए मलाची को उस व्यक्ति की क़ब्र की तलाश करते हुए देखा, जो कभी उसका सब से अच्छा दोस्त हुआ करता था। वह इसे कभी नहीं समझा। केन एक पिशाच था, और वह खतरनाक था।

केन भी उन दो चीज़ों में से एक था, जो जगुआरों तथा कूगरों की साझेदारी के बीच की अड़चन थीं.....केन और मलाची की हसीन, धोखेबाज़ और बेवफा बीवी कार्लोटा। नथानियल पहले उससे प्यार करता था। वह नहीं चाहता था कि यह ऐसा मोड़ ले। अंततः नथानियल ने इन मुश्किल का हल एक ईर्ष्यायुक्त जुनून में ढूँढा.....उसने एक तीर से दो शिकार किए।

"वह मेरा सबसे अच्छा दोस्त था और उसने कभी मुझे धोखा नहीं दिया था! वह तुम थे, जिसने मेरी पीठ में छुरा भोंका था!" मलाची ने हाथ उठा कर अपनी पहनी हुई बालियों को छुआ, वही, केन की बालियाँ, उसने क्रोध के आँसू पीने के प्रयास में पलकें झपकाई, क्या हुआ था? जब उसने केन को अपनी मुर्दा बीवी पर झुके हुए देखा था, वह उलझन में स्तब्ध रह गया था, तब तक नथानियल ने केन के क्रांतिल होने की पुष्टि नहीं कर दी थी।

वह यहीं, इसी मैदान में मरी होगी, तो उसने सोचा कि केन को भी ठीक इसी धरती में दफन कर देना ही सही होगा....इसी मिट्टी में। यहाँ तक कि उसने केन की जादू की किताब को भी चुरा लिया था और इसे बदला लेने के लिए उसी के खिलाफ इस्तेमाल किया था।

हाँ, नथानियल एक चीज़ के बारे में सही था। अधिकतर पिशाच बुरे थे, लेकिन कुछ अपवाद भी थे, और केन उनमें से एक था। लेकिन जो उसने किया, उससे

ज़्यादा बुरा कुछ भी नहीं था। यह जादू केवल केन की जीवनसाथी द्वारा उलटाया जा सकता था।

उस वक़्त मलाची को यह मज़ाक लगा था, क्योंकि केन चिरयुवा था और अभी तक अपनी जीवनसाथी से नहीं मिला था। अतीत में वह और केन अक्सर मज़ाक किया करते थे कि ऐसी औरत कभी पैदा ही नहीं होगी। उस के मस्तिष्क में केन की वह मुस्कुराहट कौंध गई, जब उसने कहा था, 'ईश्वर को ऐसी औरत बनाने के लिए काफी मज़ाकिया बनना पड़ेगा, जिसमें उसके कुछ गुण हों।'

"वह यहाँ नीचे काफी समय से दफ़न है।" नथानियल ने चेतावनी दी। "जिस तरह की रक्त-पिपासा और पागलपन उस पर सवार था.... अगर तुम केन को अभी मुक्त करोगे, तो वह हम दोनों को मार डालेगा।"

मलाची के दिमाग़ में झटका लगा और उसने नथानियल पर नज़र डाली। "वह केवल मुझे मार सकेगा, क्योंकि तुम तो पहले ही मर चुके होगे।"

"इस धमकी के साथ ही दोनों आदमी फिर से जानवरों के रूप में आ गए।"

विशाल पशु उद्यान के सबसे नजदीकी शिविर-स्थल के किनारे पर टबाथा किंग या टैबी, जैसे की हर कोई उसे बुलाता था, अपने माता-पिता की विशाल पर्यटक वैन की सीढ़ियों पर बैठ कर घने बादलों से बाहर झांकते आसमान के सितारों को देख रही थी। उसने अपनी आँखों पर पड़े अपने बालों को फूँक मार कर उड़ाया। वह खुश थी कि आखिरकार बारिश रुक गई थी।

वह जीवन में पहली बार कैंपिंग कर रही थी और अंतिम चीज़ जो वह करना चाहती थी, वह थी आरवी के अंदर बंद होना। वह इस दौरे को ले कर बेहद उत्साहित थी और वह और भी अधिक खुश हो गई थी, जब वे छोटे से पालतू कुत्ते स्क्रेपी को ले जाने को तैयार हो गए थे। इसके लिए उसे बहुत विनती करनी पड़ी थी, लेकिन अपने छोटे से सबसे अच्छे दोस्त, जो एक यॉर्की पिल्ला था, की देख-भाल करने का वादा करने के बाद उसने अपने अनिच्छुक माता-पिता की रजामंदी हासिल कर ली थी।

वह फिलहाल बाहर अंधेरे पर भौंक रहा था और अपने पट्टे के चारों ओर बेचैनी से घूम रहा था और उस छाया का पीछा करना चाहता था जिसने उसका ध्यान आकर्षित किया था। जब स्क्रेपी ने अचानक खुद को आज़ाद करा लिया और भाग गया तो छोटी लड़की की सांस रुकी की रुकी रह गई। जब पिल्ला शिविर-स्थल को पशु-उद्यान से अलग करने वाली बाड़ के नीचे बने एक छोटे से छेद के अंदर घुस गया तो वह लोहे की सीढ़ियों पर खड़ी हो गई।

"स्क्रेपी, नहीं!" टैबी चिल्लाई और कुत्ते के पीछे भागी। उसके माता-पिता ने उस पर भरोसा किया था कि वह उसे खोएगी नहीं। बाड़ के पास रुक कर उसने सांस

ली और अंधेरे में खड़े पेड़ों को देखा। "मैं डरपोक नहीं हूँ।" उसने इरादा करते हुए अपने निचले होंठ को काटा और छेद की जांच करने के लिए घुटनों के बल नीचे झुकी।

थोड़ा सा खुरचने के बाद वह भी उसी छेद से अंदर घुस गई और दौड़ते हुए दूर से आती हुई झुंगड़े की आवाज़ों का पीछा करने लगी। "तुम मुझे परेशानी में डालोगे," वह झुंगड़लाहट में फुसफुसाई, फिर उसने जीभ के तचकने की आवाज़ निकालनी शुरू की, क्योंकि कुत्ता अक्सर उस आवाज़ से पास आ जाता था।

"टैबी, तुम कहाँ हो?"

टबाथा ने सुना, उसकी माँ पीछे से उसे पुकार रही थी लेकिन उसकी रुचि अपने कुत्ते को शिविर स्थल पर वापस लाने में ज़्यादा थी। स्क्रेपी उसका कुत्ता था, और उसकी देख-भाल उसकी ज़िम्मेदारी थी। तो अपनी माँ को जवाब देने की बजाय वह खामोश रही और स्क्रेपी की ज़ोर-ज़ोर से भौंकने की आवाज़ों का पीछा करती रही।

थोड़ी ही देर पहले टबाथा एक मिनट के लिए रुकी थी और अपनी साँसों पर क़ाबू पाया था। वह एक पेड़ के सहारे झुक गई और अपने हाथ उसने अपने गंदे घुटनों पर रख लिए, वह सांस लेती रही और जंगल की आवाज़ों को सुनती रही। वह हमेशा से जंगल में जाना चाहती थी और ये आवाज़ें सुनना चाहती थी, जैसा टीवी की फिल्मों में इंडियन करते थे।

बरसाती बादल, जो थोड़ी देर पहले ज़रा फट गए थे वापस घिर आए थे, तथा चाँदनी की चमक अचानक ग़ायब हो गई थी। जब उसे एहसास हुआ कि शिविर-स्थल की रौशनियाँ अब उसकी नज़रों से ओझल हो चुकी हैं तो उस की आँखें फैल गईं।

उसने हिचकते हुए कदम बढ़ाया, और चारों ओर नज़र दौड़ाई, लेकिन उसे अंधेरे, मुश्किल से दिखने वाले पेड़ों के तने और गहरी छायाओं के अलावा और कुछ भी नज़र नहीं आया। जब उसे अपने पीछे थोड़ी दूरी पर गुरनि की आवाज़ सुनाई पड़ी तो वह रोने लगी। यह फैसला कर के कि वह उस दिशा में नहीं जाना चाहती, उसने बिना पीछे देखा भागना आरंभ कर दिया।

जैसा कि हमेशा लगता था, उसने फिर से स्क्रेपी को भौंकते हुए सुना और यह उम्मीद करते हुए कि गुरनि वाला प्राणी उसका पीछा नहीं कर रहा है, उसी दिशा में भागी। उसने एक और गुराहट सुनी, लेकिन इस बार वह आवाज़ उसके सामने की ओर कहीं से आ रही थी। उसने अपनी एड़ी को ज़मीन पर गड़ाते हुए रुकने का प्रयास किया, लेकिन ज़मीन चिकनी पत्तियों और बारिश से भीगे हुए कूड़े से ढकी हुई थी। रुकने की बजाय वह और आगे की ओर फिसल गई, और फिर एक हल्की ढलान में गिर गई।

You've Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: <http://www.ebooks2go.com>